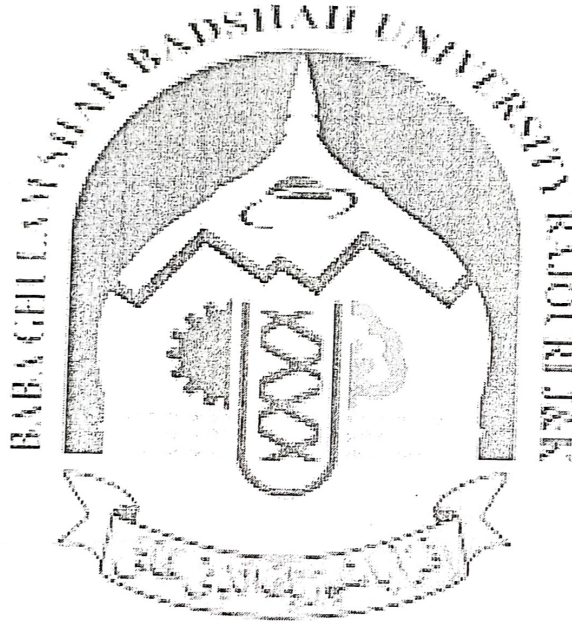


Syllabus
M.A Hindi
2022-23

hs
12/08/22



Department of Hindi

Pigmy Shari

Baba Ghulam Shah Badshah University
Rajouri (J&K)-185234
Website: www.bgsbu.ac.in

M.A. Programme in Hindi

Hindi is the most widely spoken Indo-Aryan Language among nearly three hundred languages spoken in India, with its speakers more concentrated in North, Central, Eastern and Western Indian states.

Hindi written in Devnagri script is one of the two official languages of the Government of India along with English and one of the 22 Scheduled languages enshrined in Indian Constitution. Further it is the official language of 10 states and three Union territories including J&K and is the lingua franca of India. Even at international level it is one of five major languages.

The article 351 of the Indian constitution provides: "It shall be the duty of the Union to promote the spread of the Hindi language, to develop it so that it may serve as a medium of expression for all the elements of the composite culture of India..."

As BGSBU is the only institute of higher learning in Pir-Panchal, region of Jammu and Kashmir, the teaching and research in Hindi will open new vistas of growth and development for young students of the region and a similar opportunity for national players to study the cultural, historical, linguistic and related aspects of J&K with special focus on Pir-Panchal Region. Further the knowledge of Hindi is bound to develop a better understanding and stronger covalent bond between different social denominations by an inclusive approach, dispelling the clouds of communication gaps and incidences of

Courses:			Sessional Assessment	University Examination	Total
MHD -101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)	4	40	60	100
MHD- 102	आधुनिक पूर्व काव्य	4	40	60	100
MHD -103	नाटक और रंगमंच	4	40	60	100
MHD -104	अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग	4	40	60	100
MHD-105	सामान्य भाषा विज्ञान	4	40	60	100
MHD- 106.	हिंदी एकांकी	4	40	60	100
Total		24			600

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

21/9/2022

SEMESTER-II [सत्र 2]

Course Code	Course Title	Credits	Distribution of Marks		
Courses:			Sessional Assessment	University Examination	Total
MHD -201	हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	4	40	60	100
MHD -202	हिंदी भाषा और लिपि	4	40	60	100
MHD -203	आधुनिक काव्य	4	40	60	100
MHD -204	लेखन कौशल	4	40	60	100
MHD -205	लोक साहित्य	4	40	60	100
ऐच्छिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम					
MHD -206	लोकप्रिय साहित्य	4	40	60	100
Total		24			600

[Signature]

[Signature]

[Signature]
25/11

SEMESTER-III [गच 3]

Course Code	Course Title	Credits	Distribution of Marks		
Courses:			Sessional Assessment	University Examination	Total
MHD 301	साहित्यशास्त्र	4	40	60	100
MHD 302	कथा साहित्य	4	40	60	100
MHD 303	हिंदी आलोचना	4	40	60	100
MHD 304	भारतीय साहित्य	4	40	60	100
MHD 305	सिनेमा और हिंदी साहित्य	4	40	60	100
MHD-306	अस्मितामूलक विमर्श	4	40	60	100
Total		24			600

[Handwritten signature]

Rizwan Ali
[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

SEMESTER-IV [सत्र 4]

Course Code	Course Title	Credits	Distribution of Marks		
Courses:			Sessional Assessment	University Examination	Total
MHD-401	कथेतर साहित्य	4	40	60	100
MHD-402	हिंदी आदिवासी साहित्य	4	40	60	100
MHD-403	भाषा, साहित्य और संस्कृति	4	40	60	100
MHD-404	लघु शोध-प्रबंध / परियोजना कार्य	4	40	60	100
MHD-405	इंटर्नशिपस्वयं	4	40	60	100
MHD-406 MHD-407	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (1) संस्कृत साहित्य (2) उर्दू साहित्य	4	40	60	100
Total		24			600

[Signature]

[Signature]

25/11

[Signature]

ए. ए. हिंदी पाठ्यक्रम सेमेस्टर-1 (सत्र-1)

(सत्र 2022-23 में कार्यान्वित)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

Course Code	Course Title
MHD-101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- साहित्य का इतिहास, साहित्य की पृष्ठभूमि, उदय, विकास एवं रचना उपलब्धि का समेकित ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्य की प्रक्रिया एवं कारक तत्वों को व्याख्या विश्लेषण एवं मूल्यांकन पद्धति के अनुशासन रूप में समझ सकेंगे।
- हिंदी जाति-संवेदना के कालक्रमिक एवं साम्प्रदायिक मूल्यों के संयोजन को समझ सकेंगे।
- हिंदी साहित्य की यात्रा किन्-किन मोड़ों से गुजरी है?
- किन् घात-प्रतिघात से हिंदी जाति की संवेदना निर्मित हुई है, इन तथ्यों को कार्य-कारण रूप में समझ सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश:

इकाई 1

हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ-सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य।

इकाई 2

अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई 3

भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति आन्दोलन की अखिल भारतीयता, भारतीय संस्कृति और भक्ति आंदोलन, सत काव्य परंपरा, प्रवृत्ति, सूफीमत काव्य परंपरा, प्रवृत्ति, रहस्यवाद।

इकाई 4

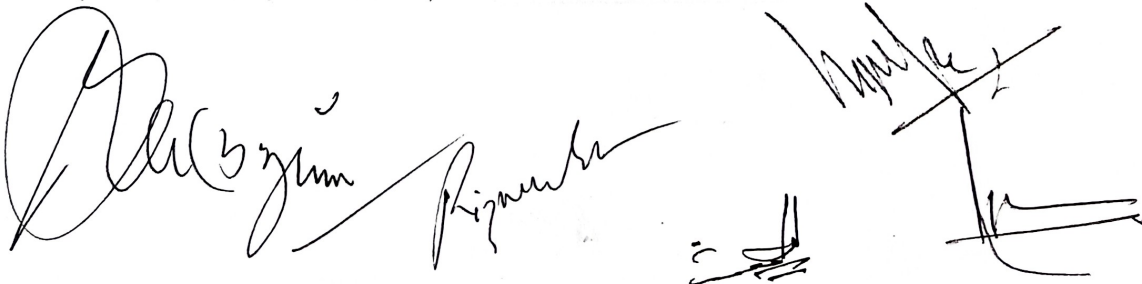
कृष्ण काव्य परंपरा, प्रवृत्ति, राग काव्य परंपरा, प्रवृत्ति, भक्ति काव्य का प्रदेय।

इकाई 5

रीतिकाल की परिस्थितियाँ, नामकरण, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, स्त्रीवादी दृष्टि से रीतिकाल का अध्ययन।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल: हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग एक): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास: सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
8. साहित्य का इतिहास-दर्शन: नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ: अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद



Course Code	Course Title
MHD-102	आधुनिक पूर्व काव्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- आदिकालीन कविता की मूल प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
- भक्तिकालीन कविता के सामाजिक-सांस्कृतिक आधार को समझ सकेंगे।
- रीतिकालीन कविता के मूलभाव एवं प्रकृति का बोध होगा।
- आधुनिक पूर्व कविता के रचनाकारों की प्रमुख कृतियों से परिचित हो सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश :

इकाई 1

पृथ्वीराज रासो (सं. वासुदेव) : रेवा-तट।

इकाई 2

अमीर खुसरो व्यक्तित्व और कृतित्व (सं.) परमानंद पंचाल :

गजल फारसी-हिंदी मिश्रित छंद : 1.21

गीतः 1.2 मुकरियों 1 से 51

विद्यापति की पदावली (सं. नरेंद्र झा) 1 से 10 पद

इकाई 3

कबीर (हजारीप्रसाद द्विवेदी) पद सं. 162, 163, 168, 200, 2071 जायसी ग्रंथावली (सं. रामचंद्र शुक्ल) नागमती वियोग खण्ड

इकाई 4

रामचरितमानस (तुलसीदास) उत्तरकांड-छंद 103 से 1241

धर्मगीत सार (सं. रामचंद्र शुक्ल) पद सं. 23, 25, 27, 34, 37, 40, 42, 45, 52, 641 मीरा का काव्य (विश्वनाथ त्रिपाठी): मण थें परस हरि रे चरण, आली री म्हारे नैना बाण पड़ी, म्हा गिरधर आगा नाच्यारी, म्हारां री गिरधर गोपाल, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री महां लिया गोविंदा मोल, नहि सुख भावे थारो देसलडो रंगरूडो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागे मीठी, पग बांध धुंधर्या न्याचेरी, सखी म्हारी नींद नमाणी हो।

इकाई 5

बिहारी (सं. जगन्नाथदास रवाकर) पद 1 से 20।

घनानंद कवित्त (सं. आचार्य विश्वनाथ मिश्र) पद 6 से 15।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. पृथ्वीराज रासो की भाषा नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
3. विद्यापति: शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
4. कबीर हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
5. महाकवि सूरदास: नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम ग्रंथ संस, दिल्ली
6. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मीरावाई श्री कृष्ण लाल आनंद, पुस्तक भवन, वाराणसी
8. रीतिकाल की भूमिका: नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली
9. बिहारी का नया मूल्यांकन बन्धन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा: मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

नाटक और रंगमंच Core Course

Course Code	Course Title
MHD-103	नाटक और रंगमंच

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत पञ्च-पत्र के अध्ययन से

- जीवन की नाटकीय भंगिमाओं की लालित्यपूर्ण सामूहिक प्रस्तुति विधान और अनुशासन के तथ्यों का ज्ञान होगा।
- नाटक अनुकृति का अनुशासन है, इसलिए साहित्य की अन्य विधाओं की तुलना में यह सर्वाधिक क्रियात्मक एवं गतिशील माध्यम है, इस तथ्य को समझ सकेंगे।
- नाटक के माध्यम से भावों एवं क्रियाओं के बनने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

साहित्यिक विधाएं और नाटक, नाटक और रंगमंच, नाट्यशास्त्र और रंगमंच, नाटक और सिनेमा, नाटक के प्रकार, नाटक के तत्व, हिंदी नाट्य परंपरा, पश्चिमी नाट्य परंपरा, नाटक और एकांकी।

इकाई 2

अंधेर नगरी भारतेंदु हरिश्चन्द्र । ध्रुवस्वामिनी जयशंकर प्रसाद ।

इकाई 3

अंधा युग : धर्मवीर भारती । आधे-अधूरे : मोहन राकेश।

इकाई 4

आगरा बाजार हबीब तनवीर । एक और द्रोणाचार्य: शंकर शेष ।

इकाई 5

अंजो दीदी : उपेन्द्र नाथ अशका दीपदान रामकुमार वर्मा।

अनुशंसित ग्रंथ :

- हिंदी नाटक: उद्भव और विकास: दशरथ ओझा, राजपाल एड संस, दिल्ली
- हिंदी नाटक: बचन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- रंग परंपरा : भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव: नेमिचंद वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना : गोविन्द चातक
- जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन: जगन्नाथ शर्मा
- नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान: वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
- हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप: नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
- जयशंकर प्रसाद : रंग दृष्टि एवं रंग सृष्टि: महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
- भारतीय नाटक और रंगमंच जगदीश चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
- बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच: गिरीश रस्तोगी ज्ञानपीठ, दिल्ली

[Signature]

[Signature]

[Signature]

Course Code	Course Title
MHD-104	अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग

पाठ्यक्रम प्रतिफल (Course outcome)

- प्रस्तुत पत्र पत्र के अध्ययन से
- हिंदी एवं हिंदीतर भाषाओं के भाषांतरण/ लिप्यंतरण को समझ करते हुए अनुवाद की भूमिका, क्षेत्र एवं विशेषताओं से अवगत होंगे।
- अनुवाद उपकरण के स्रोतों की समझ विकसित होती है।
- अनुवाद की प्रक्रिया, गठन, विश्लेषण एवं प्रकृति से परिचित होंगे।
- अनुवाद के उपकरण और साधन से कार्यालयी हिंदी को समझने एवं विश्लेषित करने का बोध होता है।
- अनुवाद के स्वरूप, सिद्धांत के साथ इसकी समस्याओं का परिचित होंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप: कला, विज्ञान अथवा शिल्प, क्षेत्र, सीमाएँ।

इकाई 2

अनुवाद उपकरण के स्रोत शब्द, पदबंध और वाक्य पदबंध।

इकाई 3

अनुवाद के प्रकार और प्रक्रिया विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोतभाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनुवादित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेष की प्रक्रिया, अनुवाद की प्रक्रिया की प्रकृति।

इकाई 4

अनुवाद के उपकरण साधन, अनुवाद का मनोविज्ञान और व्यावहारिक हिंदी में अनुवाद का और प्रयोग कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि

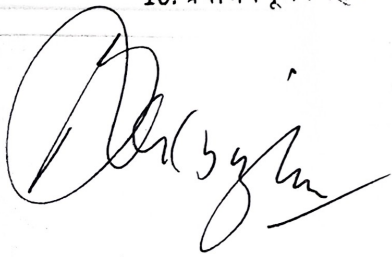
इकाई 5

अनुवाद की समस्याएँ: लिप्यंतरण, लिप्यंतरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, साहित्यिक अनुवाद: ध्वन्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्य रूपांतरण।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. अनुवाद-शतक (खण्ड) नीता गुप्ता, और पूरणचन्द टण्डन, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली 2.
- अनुवाद संवेदना और सरोकार सुरेश सिंघल, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद: आलोक कुमार रस्तोगी, सुमित प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग: अंतर सिंह बघान, और एन. सुन्दरम, एम. गोविन्दराजन, भाषा संगम, चैन्नई, तमिलनाडु
5. अनुवाद: गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
6. अनुवाद भाषाएँ समस्याएँ: एनण्ण विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा, दिल्ली
7. अनुवाद के सिद्धांत: राम गोपाल सिंह जादौन, विस्टा पब्लिशर्स, नई दिल्ली
8. अनुवाद अवधारणा और आयाम: सुरेश सिंघल, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण: आरिफ नज़र, अनंग प्रकाशन, नई दिल्ली

10. प्रयोजनमूलक हिंदी: आर. सी. त्रिपाठी, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल











Course Code

MHD-105

Course Title

सामान्य भाषा विज्ञान

UNIT-I

- 1.1 हिंदी भाषा की संरचना
- 1.2 समाज भाषा विज्ञान
- 1.3 भाषा - शिक्षण

UNIT-II

- 2.1 शैली विज्ञान
- 2.2 मानक हिंदी और हिंदी की क्षेत्रीय भाषा
- 2.3 संविधान में हिंदी का स्थान

UNIT-III

- 3.1 रूप की संरचना
- 3.2 रूपिम की संकल्पना
- 3.3 शब्द और अर्थ का सम्बन्ध

UNIT-IV

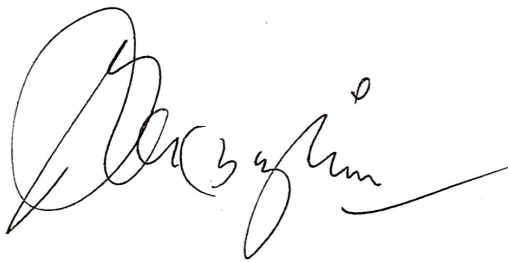
- 4.1 शब्द निर्माण की आवश्यकता
- 4.2 शब्द के प्रकार
- 4.3 शब्द वर्ग

UNIT-V

- 5.1 वाक्य का स्वरूप
- 5.2 वाक्य के प्रकार
- 5.3 अनेकार्थता

सहायक पुस्तकें.

1. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा
2. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु



हिंदीएकांकी

Course Code	Course Title
MHD-106	हिंदीएकांकी

UNIT-I

- 1.1 एकांकी नाटक: परिभाषा
- 1.2 एकांकी नाटक: उद्भव और विकास
- 1.3 नुक्काड़ नाटक

UNIT-II

- 2.1 एकांकी नाटक की पाश्चात्य परंपरा और हिंदी एकांकी नाटक
- 2.2 हिंदी नाटक और एकांकी में अंतर
- 2.3 एकांकी के तत्व और नुक्काड़ नाटक

UNIT-III - एकांकी एवं एकांकीकार

- 3.1 डॉ० रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर और उपेन्द्रनाथ अशक की एकांकी कला का मूल्यांकन
- 3.2 मंच की दृष्टि से संकलित एकांकी नाटकों की उपयुक्तता
- 3.3 पाठ्यक्रम में निर्धारित एकांकी नाटकों की साहित्यिक समीक्षा - कथोवस्तु, पात्र, चरित्र चित्रण एवं तत्वों के आधार पर

UNIT-IV - एकांकी संकलन (वीरेंद्र मिश्र)

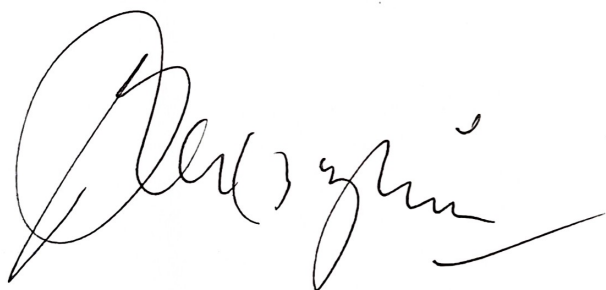
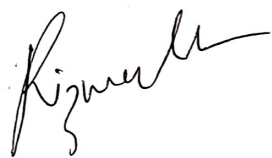
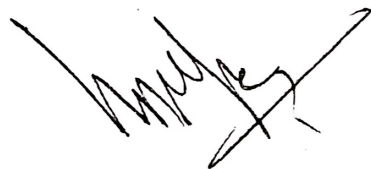
- 4.1 रीड की हड्डी
- 4.2 मम्मी ठकुराइन
- 4.3 कलंक रेखा, तौलिया, स्ट्राइक

[Handwritten signatures and marks]

[Handwritten signature]

पाठ्य पुस्तक:

1. एकांकी संकलन - वीरेंद्र मिश्र
2. एकांकी संकलन - अजय टेंगरो
3. एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र



Course Code	Course Title
MHD-201	हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

- साहित्य का इतिहास, साहित्य की पृष्ठभूमि, उदय, विकास एवं रचना उपलब्धि के समेकित ज्ञान अनुशासन को समझ सकेंगे।
- साहित्य की प्रक्रिया एवं कारक तत्वों को व्याख्या, विश्लेषण एवं मूल्यांकन पद्धति से पकड़ने का अनुशासन ही साहित्य का इतिहास बोध होगा, इस तथ्य को समझ सकेंगे।
- हिंदी जाति-संवेदना के कालक्रमिक रूप में साम्प्रदायिक मूल्यों के संयोजन क्रम को समझा जाएगा।
- हिंदी साहित्य की यात्रा किन-किन मोड़ों से गुजरी है? किन घात-प्रतिघात से हिंदी जाति की संवेदना निर्मित हुई है, इन तथ्यों को कार्य-कारण रूप में समझा जाएगा।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

1857 का स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक-सांस्कृतिक नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य, द्विवेदीयुग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, द्विवेदी युगीन साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई 2

छायावाद संबंधी बहस, छायावाद शक्ति काव्य, छायावादी काव्य की विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ। हालावाद, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा, प्रगतिवाद और प्रगतिशील, प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ, तारससक, प्रयोगवादी काव्य की विशेषताएँ। नयी कविता की विशेषताएँ, साठोत्तरी हिंदी कविता, समकालीन कविता की विशेषताएँ, मोहभंग की कविता, जनवादी कविता, नए विमर्श और कविता।

इकाई 3

उपन्यास और कहानी: उद्भव और विकास।

इकाई 4

नाटक और निबंध: उद्भव और विकास।

इकाई 5

हिंदी की गद्य विधाओं का विकास आलोचना, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृत्त, जीवनी, आत्मकथा आदि।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास: लक्ष्मीसागर वाष्णीय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ: अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
7. हिंदी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास: अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी
8. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
9. साहित्य का इतिहास-दर्शन: नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य: लक्ष्मीसागर वाष्णीय, राजकमल प्रकाश, दिल्ली
11. हिंदी का गद्य साहित्य: रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

हिंदी भाषा और लिपि

Course Code	Course Title
MHD-202	हिंदी भाषा और लिपि

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत पाठ्य पत्र के अध्ययन से

- हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय भाषाओं का वर्गीकरण एवं विशेषताओं का बोध होता है।
- हिंदी भाषा के बोलियों के क्षेत्र, विकास एवं वर्गीकरण के साथ बोलियों के तुलनात्मक पहलुओं की गहरी समझ होती है।
- हिंदी भाषा की संचरना एवं व्याकरणिक कोटियों से अवगत होंगे।
- हिंदी भाषा प्रयोग, संचार माध्यमों के साथ हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।
- देवनागरी लिपि के विकास, विशेषताओं के साथ मानकीकरण की गहरी समझ विकसित होती है।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ (वैदिक एवं लौकिक संस्कृत) एवं विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ (पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश) एवं विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण, विकास एवं विशेषताएँ।

इकाई 2

हिंदी का भौगोलिक विस्तार : अर्थ एवं विकास, हिंदी की उपभाषाएँ (पश्चिमी, हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी एवं पहाड़ी), पश्चिमी पूर्वी हिंदी बोलियों का परिचय।

इकाई 3

हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी की स्वनिम व्यवस्था-खंडय स्वनिम, खंडेतर स्वनिम हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिंदी शब्द रचना शब्द-भेद, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, समास हिंदी रूप रचना: रूप भेद, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, पुरुष, काल, पक्ष, वृत्ति, वाच्य, कारक, हिंदी वाक्य रचना: वाक्य के मूलाधार, वाक्य भेद।

इकाई 4

हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई 5

देवनागरी लिपि देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, विशेषताएँ, मानकीकरण, राष्ट्रलिपि, संपर्क लिपि।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहबाद
2. हिंदी भाषा का इतिहास: भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी सुनित कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी भाषा का विकास : गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. राष्ट्रभाषा हिंदी: समस्याएँ और समाधान देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
6. संपर्क भाषा और हिंदी सं. सुरेश कुमार ठाकुरदास, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
7. राजभाषा हिंदी प्रचालन और प्रचार: रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना
8. नागरी लिपि हिंदी और वर्तनी अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
9. आधुनिक भाषा विज्ञान: राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

आधुनिक काव्य

Course Code

Course Title

MHD-203

आधुनिक काव्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न पत्र के अध्ययन से

- आधुनिक कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
- आधुनिक कविता के सौंदर्यशास्त्रीय मूल्यों से परिचित हो सकेंगे।
- आधुनिक कविता के प्रमुख रचनाकारों से परिचित हो सकेंगे। आधुनिक कविता के कथ्य-शिल्प का बोध होगा।

इकाई 1

साकेत (मैथिलीशरण गुप्त) : नवम सर्ग।

इकाई 2

कामायनी (जय शंकर प्रसाद) : श्रद्धा सर्ग। राग विराग (निराला) : सरोज स्मृति।

इकाई 3

तारापथ (सुमित्रानंदन पंत) प्रथम रश्मि परिवर्तन। दीपशिखा (महादेवी वर्मा): वीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।

इकाई 4

उर्वशी (रामधारी सिंह 'दिनकर') तृतीय अंक। नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताएँ (सं. नामवर सिंह) अकाल और उसके बाद, शासन की बन्दूक अज्ञेय रचनावली भाग-1 (कृष्णादत्त पालीवाल) : असाध्यवीणा।

इकाई 5

गीत फरोश : भवानी प्रसाद मिश्र
चाँद का गुँह टेढ़ा (मुक्तिबोध) : अँधेरे में।
संसद से सड़क तक (धूमिल) : मोचीराम।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, भारतीय भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी एक पुनर्विचार: मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दिनकर : विजेन्द्रनारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8. कविता के नए प्रतिमान नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता : श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन अहमदाबाद

(Signature)

Rizwan Khan

(Signature)

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- मानवीय संवेदना एवं संस्कृति के साथ लेखन की विधियों से परिचित होंगे।
- भाषिक प्रयोग एवं नए-नए शब्दों की निर्मिति की प्रक्रिया का बोध होता है।
- साहित्यिक विधाओं के सृजन के सूक्ष्म आलोचना दृष्टि की समझ विकसित होती है।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन एवं संपादन के साथ कम्प्यूटर का बोध होता है।
- व्यावसायिक एवं व्यावहारिक लेखन कौशल का विचार होता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई 1

रचनात्मक लेखन का स्वरूप एवं सिद्धांत:

भाव एवं विचार रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया, विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र साहित्य, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ, जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति, लेखन के विविध रूप लिखित, पद्य गद्य, कथात्मक कथेतर नाट्य पाठ्य आदि।

इकाई 2 रचनात्मक लेखन का भाषा संदर्भ :

अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ मीमांसा, शब्द के प्राक-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, भाषिक संदर्भ क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह सापेक्ष आदि।

इकाई 3 रचनात्मक लेखन एवं रचना कौशल-विश्लेषण :

रचनात्मक लेखन : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, यात्रावृत्त डायरी, संस्मरण, रिपोर्टाज आदि।

रचना - कौशल विश्लेषण रचना-सौष्ठव : शब्द शक्ति, बिंब, प्रतीक, अलंकरण एवं वक्रताएँ।

इकाई 4 मीडिया लेखन एवं संपादन, सोशल मीडिया एवं कम्प्यूटर दक्षता:

मीडिया लेखन एवं संपादन शीर्षक समाचार, समाचार स्रोत, संपादकीय संपादन, पृष्ठ-सज्जा, प्रेस विज्ञति, प्रूफ पाठन, व्यावहारिक प्रूफ संशोधन, साक्षात्कार आदि।
सोशल मीडिया : न्यू मीडिया ई-मेल, फेसबुक टिविटर, यू-ट्यूब, पॉडकास्ट, ब्लॉग आदि। कम्प्यूटर दक्षता यूनिकोड टाइपिंग, फॉर्मेटिंग, इमर्जिंग आदि।

इकाई 5 व्यावसायिक एवं व्यावहारिक लेखन :

दूरदर्शन, रेडियो, विज्ञापन, पटकथा, संवाद, गीत, गजल आदि।
प्रार्थना-पत्र, परिपत्र, प्रारूपण, पल्लवन, प्रतिवेदन, टिप्पण, संक्षेपण, सूचना, अधिसूचना, विज्ञप्ति, ज्ञापन, अनुस्मारक, कार्यालायादेश, मसौदा लेखन, समझौता ज्ञापन (MOU) आदि।

अनुशंसित ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन : रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. कामकाजी हिंदी: कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
3. व्यावसायिक हिंदी दिलीप सिंह, द. भा. हि.प्र. सभा, नई
4. प्रशासनिक हिंदी टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन हरिमोहन
5. पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा गागी गुमा, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
6. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रयोजनमूलक हिंदी विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

लोक साहित्य

Course Code	Course Title
MHD-205	लोक साहित्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome) प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन में

- लोक साहित्य के अर्थ, स्वरूप और परिभाषा से परिचित हो सकेंगे।
- लोक साहित्य के महत्व से परिचित होंगे।
- विभिन्न भाषाओं के लोक साहित्य से परिचय होगा।
- लोक साहित्य का समाज निर्माण में योगदान से परिचित होंगे।
- लोक संवेदना से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1 लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप :

लोक साहित्य : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, विशेषताएँ, महत्व और योगदान, लोक साहित्य और संस्कृति, शिष्ट साहित्य और लोक साहित्य।

इकाई 2 डोगरी लोक साहित्य एवं कश्मीरी लोक साहित्य:

डोगरी लोक साहित्य : बाबल! इक मेरा कैहना कीजिए, रांझा मंगदा डेरा जी (लोक गीत)। कश्मीरी लोक साहित्य: परियों के देश में, और नदी शांत हो गई, हायबंद और जोहरा खातून (लोक कथाएँ)।

इकाई 3 हरियाणवी लोक साहित्य एवं पंजाबी लोक साहित्य :

हरियाणवी लोक साहित्य कलियुग, जीवन की रेल (लोक गीत)।
पंजाबी लोक साहित्य सोहनी महीवाल, सस्ती पन्नू, अक्लमन्द वजीर शहजादा (लोक कथाएँ)।

इकाई 4 अवधी लोक साहित्य एवं कुमाऊँनी लोक साहित्य:

अवधी लोक साहित्य:
बाबा निमिया के पेड़ जिनि कटेउ, पूरब से आई रेलिया पछिउं से आई जहजिया (लोक गीत)। राजुला मालुसाही, काफल पाक़ो मैं नि चाखों, बीरुड पंचमी और सातू आठू (लोक कथाएँ)।

इकाई 5 भोजपुरी लोक साहित्य एवं मैथिली लोक साहित्य :

भोजपुरी लोक साहित्य: भिखारी ठाकुर ग्रंथावली (शिलानाथ ठाकुर, गौरीनाथ ठाकुर)।
डगरिया जोहत ना, बीतत वाटे आठ पहरिया हो, पियवा गइल कलकाताबा ए सजनी (लोक गीत)। मैथिली लोक साहित्य :

बाल बसंत, मिथिलांचल किछु (लोक कथाएँ)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. लोक साहित्य की भूमिका: कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. लोक का आलोक सं. पीयूष दहिया
5. लोक-साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा: मनोहर शर्मा
6. लोक-साहित्य के प्रतिमान: डॉ. कुन्दन लाल उप्रेति
7. दुग्गर का लोक साहित्य: शिव निर्मोही,
8. डोगरी लोक साहित्य (सं.) नन्द किशोर पाण्डेय, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
9. गीत धरा अम्बर के ओमप्रकाश गुप्त, आशीष प्रकाशन, दिल्ली
10. कश्मीर का लोक साहित्य : मोहन कृष्ण धर, आत्मा राम एंड संस, दिल्ली
11. अवधी तथा कश्मीरी लोक गीतों में लोक तत्व बीना बुदकी, चिनार पब्लिकेशंस जम्मू,
13. हमारा कुमाऊँ : प्रभा पन्त, आधारशिला प्रकाशन, नैनीताल
14. कश्मीरी इतिहास और संस्कृति कुसुमभूरिया दत्ता, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली

(Signature)

(Signature)

(Signature)

(Signature)

(Signature)

Course Code

MHD-206

Course Title

लोकप्रिय साहित्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- लोकप्रिय साहित्य का विद्वेषणात्मक ज्ञान होगा।
- लोकप्रिय साहित्य की समझ विकसित होगी।
- लोकप्रिय साहित्य के कथ्य-शिल्प का बोध होगा।
- लोकप्रिय साहित्य और भारतीय साहित्य के अति-संबंध का ज्ञान होगा।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

लोकप्रिय एवं शिष्ट (क्लासिक) साहित्य की अवधारणा, पश्चिम में लोकप्रिय साहित्य की परंपरा, हिंदी में लोकप्रिय साहित्य की परंपरा, हिंदी तिलस्मी एवं जादूगी साहित्य

इकाई 2 उपन्यास :

चंद्रकांता देवकीनंदन खत्री।

डबल जागूरा : गोपालराम महगरी ।

इकाई 3 उपन्यास:

नीलकंठ गुलशन नंदा।

बर्दी वाला गुंडा देवप्रकाश शर्मा ।

गुनाहों का देवता धर्मवीर ।

डार्क हॉर्म : नीलोत्पल मृणाल ।

दिल्ली दरबार : सत्य व्यास।

इकाई 4

कविता : मंत्रीय / गेय कविता :

मैं और तुम / बेहब की बैठक बेहब बनारसी।

काका के करतूत काका हाथरसी।

तमाशा अशोक चक्रधर ।

कोई दीवाना समझता है कोई पागल समझता है : कुमार विश्वास ।

इकाई 5

कहानी एवं अन्य विधाएँ :

मसाला चाय दिव्य प्रकाश दुवे।

क्रिक पांडा पो-पो : ऋषभ प्रतिपक्ष आज़ादी मेरा ब्रांड : अरुण बेनीवाल।

अब तो बात फैल गई : कांति कुमार जैन।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. आलोचना की सामाजिकता : गैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, मेहा प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पाखी पत्रिका का अंक, अप्रैल, 2015
4. उपन्यास और प्रतिरोध, अश्विन भारती शोभ पत्रिका का विशेषांक वर्ष 2008
5. तिलस्मी साहित्य का साम्राज्य विरोधी चरित्र प्रदीप मुखर्जी, शिल्पासन, दिल्ली
6. पपलू संस्कृति : सुधीश पचौरी, पैंगुइन बुक्स, दिल्ली
7. जनप्रिय साहित्य: अनिरुद्ध कुमार मुधांशु, डी सटसज प्रकाशन
8. उपन्यास की संरचना : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. इंद्रीगदी मदी का हिंदी उपन्यास : पूर्णपाल सिंह, संध्याकला प्रकाशन, पटना
10. इंद्रीगदी मदी का हिंदी उपन्यास साहित्य : विशाखा शर्मा, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली

एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम
सेमेस्टर- 3 (सत्र-3)
(सत्र 2022-23 से कार्यान्वित)
साहित्यशास्त्र

Course Code	Course Title
MHD-301	साहित्यशास्त्र

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- साहित्यशास्त्र द्वारा साहित्य के अनुशासन को समझ सकेंगे।
- साहित्य के लक्षण, प्रयोजन, गुण और दोष किस प्रकार सामाजिक भावों से जुड़ते हैं, इस तथ्य को समझ सकेंगे।
- साहित्यशास्त्र साहित्य के बनने की प्रक्रिया, पाठ और सिद्धांत का अनुशासन है, इन प्रक्रियाओं को समझा जाएगा।
- भारत और पश्चिम के जीवन, भाव और अनुशासन किस प्रकार विकसित हुए हैं? उनके रूप क्या रहे हैं, उनकी पद्धति क्या रही है? इन बिन्दुओं पर व्यापक समझ विकसित होगी।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष।

इकाई 2 प्रमुख संप्रदाय और सिद्धांत :

रस संप्रदाय स्वरूप, रस- निष्पत्ति, साधारणीकरण।

ध्वनि संप्रदाय स्वरूप, भेद, स्थापनाएँ।

रीति संप्रदाय : स्वरूप, भेद, स्थापनाएँ।

इकाई 3

अलंकार संप्रदाय स्वरूप, भेद, स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति संप्रदाय : स्वरूप, भेद, स्थापनाएँ।

औचित्य संप्रदाय : स्वरूप, भेद, स्थापनाएँ।

इकाई 4

प्लेटो : काव्य-सिद्धांत।

अरस्तु अनुकरण सिद्धांत, विवेचन-सिद्धांत।

बड्सर्वथ : काव्यभाष्य सिद्धांत।

इकाई 5

कलिरिज : कल्पना सिद्धांत।

टी. एस. इलियट निवैयनिकता एवं वैयक्तिक प्रज्ञा- सिद्धांत, परंपरा-सिद्धांत।

आई. ए. ग्रिम : मुख्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत।

अनुशंसित ग्रंथ

- काव्यशास्त्र की भूमिका: नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज: राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- काव्यशास्त्र भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन: निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास: तारकनाथ बाली, मैकमिलन,
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन: निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली,
- हिन्दी साहित्यशास्त्र कृष्ण बल्लभ जोशी, स्मृति प्रकाशन इलाहाबाद

Course Code	कथा साहित्य Course Title
MHD-302	कथा साहित्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- कथा साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा।
- कथा साहित्य की गहरी समझ विकसित होगी।
- कथा साहित्य के वस्तु शिल्प का बोध होगा।
- हिंदी कथा साहित्य एवं भारतीय कथा साहित्य के तुलनात्मक संदर्भ का ज्ञान होगा।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

गोदान: प्रेमचंद।

राग दरबारी : श्रीलाल शुक्ल ।

इकाई 2

आपका बंटी : मन्नू भंडारी ।

तमस : भीष्म साहनी ।

इकाई 3

उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी । अपना अपना भाग्य जैनैन्द्र।

तीसरी कसम : फनीश्वरनाथ रेणु । कोमी का घटवार शेखर जोशी।

इकाई 4

पिता: ज्ञानरंजन।

इंस्पेक्टर मातादीन चौद पर हरिशंकर परसाई।

मोहनदास: उदय प्रकाश

सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती ।

इकाई 5

परिंदे : निर्मल वर्मा।

चीफ की दावत: भीष्म साहनी ।

राजा निरवंसिया: कमलेश्वर ।

घुसपैठिए ओमप्रकाश वाल्मीकि।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. उपन्यास और लोक जीवन : रॉल्फ फॉक्स पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और उनका युग रामविलास शर्मा मेहरचंद मुंशीराम, दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. उपन्यास का पुनर्जन्म परमानंद श्रीवास्तव, वाणीप्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी उपन्यास एक अंतर्गता : रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. उपन्यास की संरचना : गोपाल राय मेधापब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
7. एक दुनिया सामानांतर : राजेंद्र यादव, राधाकृष्णप्रकाशन, पटना
8. कहानी स्वरूप और संवेदना राजेंद्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
9. नई कहानी की भूमिका कमलेश्वर राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिंदी कहानी का इतिहास: गोपाल राय, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली
11. कहानी: नई कहानी नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
12. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश, लोकभारतीप्रकाशन, प्रयागराज

[Signature]

[Signature]

[Signature]

Course Code	हिंदी आलोचना
MHD-303	Course Title
	हिंदी आलोचना

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- आलोचना की बौद्धिक और अनुशासन को समझ सकेंगे।
- आधुनिकता के संदर्भ में आलोचना के प्रत्ययों को समझ सकेंगे।
- आलोचना साहित्य जगत को देखने की सचेत, बौद्धिक दृष्टि है, इस तथ्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- आलोचना किमी रचना को देखने, उसके व्याख्या, विश्लेषण और मूल्यांकन के प्रयास एवं प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- साहित्य के विभिन्न अनुशासनों, उसकी विकास प्रक्रिया का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

भारतीय साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना, पुनर्जागरण और हिंदी आलोचना, पाठालोचन, आलोचना के प्रकार।

इकाई 2

हिंदी आलोचना की परंपरा शुक्ल पूर्व हिंदी आलोचना भारतेन्दु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्रबन्धु, पद्मसिंह शर्मा, लाला भगवानदीन, कृष्ण बिहारी मिश्रा

इकाई 3

हिंदी आलोचना की परंपरा शुक्ल युग एवं परवर्ती आलोचना की स्थापनाएँ आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नगेन्द्र, नंददुलारे वाजपेयी ।

इकाई 4

प्रगतिशील आलोचना की स्थापनाएँ रामविलास शर्मा, नामवर सिंह आदि । सांस्कृतिक आलोचना : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामस्वरूप चतुर्वेदी, विष्णुकांत शास्त्री आदि। अन्य आलोचक- विजयदेव नारायण साही, बच्चन सिंह आदि ।

इकाई 5

समकालीन वैचारिकी एवं विमर्श आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, अजनबीपन, अतिथ्यार्थवाद, अस्तित्ववाद, उपनिवेशवाद, नव-उपनिवेशवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, स्वच्छन्दतावाद, विखण्डनवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, मानववाद, एकात्म मानव दर्शन।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना: विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास: नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली
3. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार: रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य: शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना: रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परंपरा की खोज: नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द: बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Code	भारतीय साहित्य
MHD-304	Course Title
	भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत पत्र-पत्र के अध्ययन से

- भारतीयता की अवधारणा से परिचित होंगे। भारतीय समाजशास्त्र को समझ सकेंगे।
- भारतीय भाषाओं के इतिहास से परिचित होंगे।
- विभिन्न भारतीय भाषाओं की रचनाओं से परिचित होंगे।
- भारतीय साहित्य के रूप को समझ सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1 भारतीय साहित्य

भारतीय साहित्य की अवधारणा, अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का समाजशास्त्र, परंपरा और आधुनिकता।

इकाई 2 उपन्यास

आग का दरिया : कुर्तुबल एन हैदर (उर्दू)।

माधवी : लामबम कमल सिंह (मणिपुरी)।

इकाई 3 नाटक

ययाति: गिरीश करनाड (कन्नड)।

लाचित बरफुकन: प्रवीण फुकन (असमिया) छगनलाल जैन।

इकाई 4 आत्मकथा

अङ्कुरमाशी: शरण कुमार लिंबाले (मराठी)।

रसीदी टिकट : अमृता प्रीतम (पंजाबी)।

इकाई 5 कविता

रवीन्द्रनाथ की 51 कविताएँ: निर्जर का स्वपन भंग, सोने की नाव, प्रार्थना, याद आना, विहंग के आने का समय हो गया (बांग्ला)।

मेरी कविता मेरे गीत (पद्मा सचदेव) भादों, सखी वे दिन कैसे थे ये राजा के महल क्या आपके हैं?, चैत की हवा, आज युद्ध जीत कर आया है (डोगरी)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. संस्कृति के चार अध्याय: रामधारी सिंह दिनकर, उदयाचल, पटना
2. भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
3. कम्पेरेटिव लिटरेचर, डॉ. नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास: (सं.) नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. भारतीय साहित्य की भूमिका: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय साहित्य : सं० डॉ. मूलचंद गौतम, राधाकृशन, नई दिल्ली
7. भारतीय साहित्य स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं: क. सच्चिदानंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंबा, वाराणसी
9. आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Devi Singh

Vijay

[Signature]

Rizwan

[Signature]

Course Code	Course Title
MMD-305	सिनेमा और हिंदी साहित्य

इकाई 4 साहित्य और सिनेमा का अंतः संबंध :

सिनेमा और उपन्यास, सिनेमा और कहानी सिनेमा और नाटक संवेदना का रुपान्तरण आदि।

इकाई 5 साहित्यिक कृतियों पर निर्मित गीत एवं फिल्म :

क : गीत (साहित्यिक कृति-लेखक- फिल्म-गाने के बोल) पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- सिनेमा और समाज के अंतःसंबंध, विश्व सिनेमा के उदय, वैश्विक परिदृश्य एवं व्यवसायिक मंदर्भ की गहरी समझ होती है।
- हिंदी सिनेमा के इतिहास, लोकतांत्रिक परिवेश और बदलते सिनेमाई रूप का बोध होता है। सिनेमा की निर्माण-प्रक्रिया, सृजनशीलता, संपादन कौशल एवं तकनीकी रूप से परिचित होंगे।
- साहित्य एवं सिनेमा में चित्रित सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं धार्मिक समस्याओं से अवगत होंगे।
- साहित्य में कथ्य-शिल्प के साथ सिनेमा में दृश्य-श्रव्य माध्यमों से चित्रित इतिहास, संवेदना, प्रेम, एवं आत्मीय भाव की अभिव्यक्ति को समझ सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1 सिनेमा और समाज :

विश्व में सिनेमा का उदय, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धांत, सिनेमा का विवरण और व्यवसाय ।

इकाई 2 हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास :

प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रा आंदोलन और हिंदी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिंदी सिनेमा, भारतीयता लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और सामानांतर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिंदी सिनेमा, बाल फ़िल्में आदि।

इकाई 3 सिनेमा का तकनीकी पक्ष:

फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, साइन संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड सिनेमा के प्रकार ।

चित्रलेखा (उपन्यास) : भगवती चरण वर्मा, चित्रलेखा फिल्म ।

- मन रे तू काहे ण धीर धरे ।

काली आंधी (उपन्यास) : कमलेश्वर, काली आंधी फिल्म

- सुनो लोगों कलयुग रि आंधी आने वाली है।

सूरज का सातवाँ घोड़ा (उपन्यास) धर्मवीर भारती, सूरज का सातवाँ घोड़ा फिल्म ।

- ये शामें, सब की सब शामें, क्या इनका कोई अर्थ नहीं।

पिंचर (उपन्यास) अमृता प्रीतम,

- पिंचर फिल्म बतना वे बतना वे..... ।

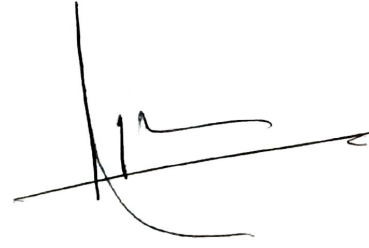
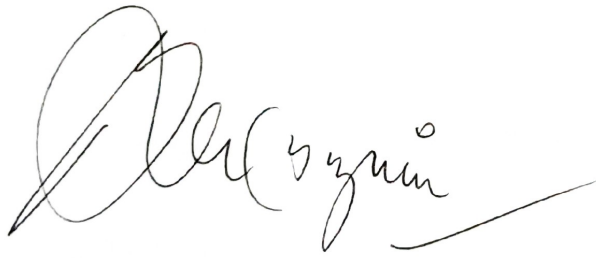
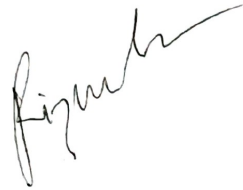
ख: फिल्म

पद्मावत (महाकाव्य) मालिक मोहम्मद जायसी, पद्मावत फिल्म (इतिहासपरक)। मलवे का मालिक (कहानी) मोहन राकेश, हिना फिल्म (भारत विभाजन एवं विस्थापन)। यही सच है (कहानी): मन्नू भंडारी, रजनीगंधा फिल्म (प्रेमपरक) माया दर्पण (कहानी) निर्मल वर्मा, माया दर्पण फिल्म (सामंती व्यवस्था एवं श्री विमर्श)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मोहन चट्टा, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी सिनेमा : आदि से अनंत : प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

3. भारतीय सिनेमा का सफरनामा: पुनीत बिगारिया- राजनारायण शुक्ल, अटलान्टिक प्रकाशन, दिल्ली
4. सिनेमा : कल आज और कल विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. सिनेमा विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. पटकथा लेखन असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. पटकथा लेखन एक परिचय: श्याम मनोहर जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. सिनेमा और संस्कृति राही मामूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली



अस्मितामूलक विमर्श	
Course Code	Course Title
MHD-306	अस्मितामूलक विमर्श

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न पत्र के अध्ययन से

- इक्कीसवीं सदी में अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा से परिचय होता है।
- हाशिये के समाज की अस्मिता और अस्तित्व के महत्व से परिचय होता है।
- हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श किन्नर विमर्श, विकलांग विमर्श इत्यादि से संबंधित रचनाओं से अवगत होंगे।
- विभिन्न रचनाओं के अध्ययन से हाशिये के समाज की समस्याओं और निवारण की प्रक्रिया से परिचित होंगे।
- समाज में जागरूकता लाने के लिए अग्रसर होंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1 आस्मितामूलक विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप :

स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, दिव्यांग विमर्श, वृद्ध विमर्श।

इकाई 2 स्त्री विमर्श

आवां : चित्रा मुद्गल (उपन्यास)।

पचपन खंभे लाल दीवारें उषा प्रियंवदा (आत्मकथा)।

स्त्रियाँ: अनामिका (कविता)।

बूतों की लड़कियाँ आलोक धन्वा (कविता)

इकाई 3 दलित विमर्श

जूठन ओमप्रकाश वाल्मीकि (आत्मकथा)।

छप्पर: जय प्रकाश कर्दम (उपन्यास)।

सुनो ब्राह्मण: मलखान सिंह (कविता)। मेरा गाँव: सूरजपाल चौहान (कविता)।

इकाई 4 जनजाति विमर्श

ग्लोबल गाँव के देवता रणेन्द्र (उपन्यास)

बिरसा मुंडा की याद में: हरिराम मीणा (कविता)।

आदिवासी लड़कियों के बारे में निर्मला पुतुल (कविता)।

बेला एक्का लौट रही हैं: अरुण प्रकाश (कहानी)।

इकाई 5 किन्नर विमर्श

कोई बात नहीं: अलका सरावगी (उपन्यास)।

पोस्ट बॉक्स न.203, नाला सोपारा चित्रा मुद्गल (उपन्यास)।

मैं लक्ष्मी मैं हिजड़ा: लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी (आत्मकथा)। खलीक अहमद बुआ: राही मासूम रज़ा (कहानी)।

अनुशंसित ग्रंथ :

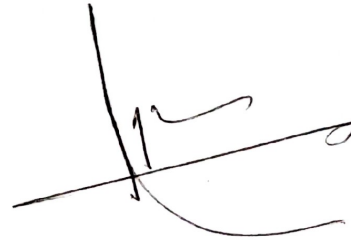
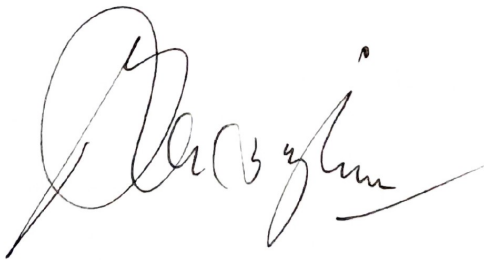
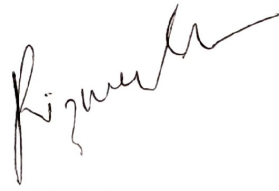
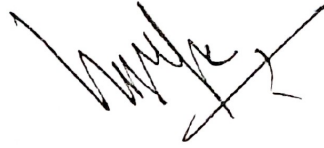
1. शृंखला की कड़ियाँ महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अस्मिता विमर्श का स्त्री-स्वर : अर्चना वर्मा, मेधा बुक्स, दिल्ली
3. स्त्री विमर्श का यथार्थ: ममता कालिया, किताबवाले, नई दिल्ली
4. स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ रेखा कस्तवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. स्वाधीनता का स्त्री पक्ष: अनामिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पुरुष की निगाह में स्त्री राजेंद्र यादव, अक्षरा प्रकाशन, दिल्ली
7. उपनिवेश में स्त्री प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. स्त्री उपेक्षिता: प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. स्त्रियों की पराधीनता: जॉन स्टुअर्ट मिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

[Signature]

[Signature]

[Signature]

10. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. मुख्यधारा और दलित साहित्य: ओमप्रकाश वाल्मीकि, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
12. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र कवल भारती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. आधुनिकता के आईने में दलित (सं.) आभय दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. दलित समाज और संस्कृति: तेज सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15. थर्ड जेंडर के संघर्ष का यथार्थ (सं.) शगुपता नियाज़, विकास प्रकाशन, कानपुर
16. आदिवासी कौन (सं.) रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
17. झारखंड के आदिवासियों के बीच वीर भारत तलवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. आदिवासी अस्तित्व और झारखंडी अस्मिता के सवाल रामदयाल मुंडा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. उत्तरशती के विमर्श और हाशिए का समाज: चौथीराम यादव, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली



एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम
सेमेस्टर- 4(गत्र-4)
(गत्र 2022-23 से कार्यान्वित)

कथेतर साहित्य

Course Code	Course Title
MHD-401	कथेतर साहित्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- हिंदी साहित्य में अन्य गद्य विधाओं के इतिहास एवं अंतःसंबंध की जानकारी होगी।
- अन्य गद्य विधाओं के कथ्य-शिल्प का बोध होगा।
- अन्य गद्य विधाओं की आलोचनात्मक दृष्टि की समझ विकसित होगी।
- अन्य गद्य विधाओं के रचना एवं रचनाकार से परिचित होंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1 कथेतर साहित्य :

कथेतर साहित्य का सामान्य परिचय विविध रूप एवं तत्व ।

इकाई 2 निबंध :

मजदूरी और प्रेम : सरदार पूर्ण सिंह। मेरे राम का मुकुट भीग रहा रहा है विद्यानिवास मिश्र । ईर्ष्या रामचंद्र शुक्ल नाखून क्यों बढ़ते हैं: हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
उठ जाग मुसाफिर विवेकी राय ।

इकाई 3 आत्मकथा :

मुर्दहिया तुलसीराम

एक कहानी यह भी मन्नू भंडारी ।

इकाई 4 जीवनी :

आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर।

प्रेमचंद घर में शिवरानी देवी ।

इकाई 5 रेखाचित्र, यात्रावृत्तांत डायरी :

ठकुरी बाबा महादेवी वर्मा (रेखाचित्र) ।

पाकिस्तान का मतलब क्या (यात्रावृत्तांत) महात्मा गांधी की डायरी (1947-48)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी गद्य विन्यास और विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ: शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्यिक विधाएँ: पुनर्विचार हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी गद्य विधाएँ एवं विकास पद्म सिंह शर्मा, साहित्य संस्थान, दिल्ली
5. हिंदी गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. गद्य की पहचान : अरुण प्रकाश, अन्तिका प्रकाशन, गाज़ियाबाद
7. साहित्यिक निबंध : गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
8. हिंदी ललित निबंध: स्वरूप विवेचन, वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
9. निबंध नितय - सत्येंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. चिंतामणि भाग- 1 रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
11. अशोक के फूल हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. प्रेमचंद घर में शिवरानी देवी, सरस्वती प्रेस, बनारस
13. यात्रा साहित्य का उद्भव एवं विकास डॉ. सुरेंद्र माथुर, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

हिंदी आदिवासी साहित्य

Course Code	Course Title
MHD-402	हिंदी आदिवासी साहित्य

UNIT-I

- 1.1 हिंदी आदिवासी साहित्य का विकास
- 1.2 हिंदी आदिवासी साहित्य की पृष्ठभूमि
- 1.3 हिंदी आदिवासी साहित्य की विशेषताएँ
- 1.4 हिंदी साहित्य में आदिवासी चेतना
- 1.5 आदिवासी समाज और साहित्य
- 1.6 आदिवासी विमर्श और आन्दोलन

UNIT-II

आदिवासी कविताएं
वंदना टेटे द्वारा संपादित 'लोकप्रिय आदिवासी कविताएं'

UNIT-III

आदिवासी कहानियां
एलिस एक्का- कोयल की लड़की सिमरू

रोज केरकेट्टा- विरुवार गमछा

UNIT-IV

आदिवासी उपन्यास
तेजिंदर- काला पादरी

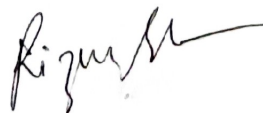
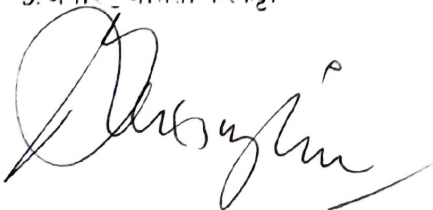
राकेश कुमार सिंह-जो इतिहास में नहीं हैं

UNIT-V

आदिवासी यात्रा-वृत्तांत
हरिराम मीणा - आदिवासी लोक की यात्राएं

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कलम को तीर होने दो _ रमणिका गुप्ता
2. आदिवासी कहानियां _ रमणिका गुप्ता
3. पहाड़ हिलने लगा _ बाहरू सोनवाड़े
4. नगाड़े की तरह बजते शब्द _ निर्मला पुतुल
5. अंगोर _ जेसिंता केरकेट्टा



भाषा, साहित्य और संस्कृति

Course Code	Course Title
MHD-403	भाषा, साहित्य और संस्कृति

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्रके अध्ययन से

- भाषा साहित्य एवं संस्कृति का विवेचनात्मक ज्ञान होगा।
- भाषा एवं साहित्य की समझ विकसित होगी।
- भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के अंतःसंबंधों का बोध होगा।
- भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित होगी।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई 1

भाषा अवधारणा एवं स्वरूप, भाषा की भंगिमाएँ औपचारिक, मौखिक, लिखित, भाषा एवं साहित्य का अंतः संबंध, भाषा एवं संस्कृति का अंतः संबंध, भाषा एवं जेंडर विमर्श, भाषा-सांस्कृतिक, संवाद संप्रेषण, भारत की भौगोलिक भाषिक और सांस्कृतिक एकता के अंतः सूत्र, भूमंडलीकरण और हिंदी भाषा, सांस्कृतिक उत्पादक के रूप में कला, भाषा और समाज।

इकाई 2

साहित्य और समाज, साहित्य एवं राष्ट्रीयता, साहित्य एवं भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीयता के प्रश्न, भारतीयता के विधायक तत्व, साहित्य परंपरा और आधुनिकता, साहित्य एवं संस्कृति, साहित्य के विविध रूप, साहित्य और कला।

इकाई 3

भारतीय साहित्य की अवधारणा, वैदिक वाङ्मय, सनातन संस्कृति, संस्कृत साहित्य, विश्व साहित्य की अवधारणा, वैश्विक साहित्य एवं भारतीय साहित्य का अंतः संबंध, भारतीय साहित्य और हिंदी का अंतः संबंध।

इकाई 4

संस्कृति, सभ्यता और संस्कृति, संस्कृति और मूल्य, संस्कृति और भाषा, संस्कृति और साहित्य, संस्कृति एवं परंपराबोध, जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद।

इकाई 5

साहित्य का उद्देश्य: प्रेमचंद।

भारतीय की एकता : रामधारी सिंह दिनकर।

भारतीय संस्कृति की देन हजारीप्रसाद द्विवेदी।

भारतीय शिल्प : राममनोहर लोहिया।

भारतीय संस्कृति के आधार : विद्यानिवास मिश्र।

साहित्य संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया अज्ञेय।

मेरे लिए भारतीय होने का अर्थ निर्मल वर्मा

कला और संस्कृति : वासुदेवशरण अग्रवाल।

भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा। साहित्य विचार और स्मृति : धर्मवीर भारती।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा : रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी भाषा इतिहास और स्वरूप राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीनता और साहित्य : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
6. भारतीय साहित्य : मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, पटना
7. भाषा विज्ञान : श्यामगुंदर दास, इंडियन प्रेस, प्रयागराज
8. भाषा का समाजशास्त्र : राजेंद्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. हिंदी भाषा इतिहास और स्वरूप राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. साहित्य का नया सौन्दर्यशास्त्र सं. देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भाषा साहित्य और संस्कृति : रामविलास शर्मा, किताब महल प्रकाशन, प्रयागराज

Course Code	Course Title
MHD-404	प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप)

लघु शोध प्रबंध/परियोजना कार्य/
पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)
प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- साहित्य का विश्लेषणात्मक पद्धति का ज्ञान होगा।
- साहित्य की व्यापकता का बोध करेंगे।
- हिंदी साहित्य के साथ ज्ञान के अन्य क्षेत्रों की समझ विकसित होगी।
- शोध कार्य के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।

नोट :

1. शोध प्राविधि/ शोध प्रक्रिया की सामान्य जानकारी हेतु कक्षाएँ आयोजित की जाएंगी।
2. लघु शोध प्रबंध / परियोजना कार्य/प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) का आवंटन एवं निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा।

इंटर्नशिप

Course Code	Course Title
MHD-405	इंटर्नशिप

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
संस्कृतसाहित्य

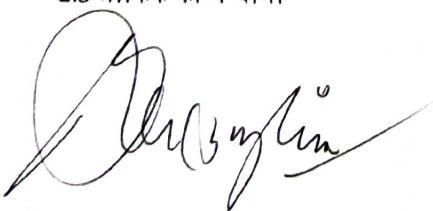
Course Code	Course Title
MHD-406	संस्कृतसाहित्य

UNIT-I

- 1.1 संस्कृत साहित्य का विकास क्रम
- 1.2 वैदिक साहित्य
- 1.3 वेद, ब्राह्मण-ग्रन्थ, आरण्यक, उपनिषद्

UNIT-II

- 2.1 पौराणिक महाकाव्य - रामायण, महाभारत
- 2.2 लौकिक साहित्य - काव्य एवं गद्य
- 2.3 लौकिक काव्य यात्रा






UNIT-III

3.1 नीति काव्य

3.2 आख्यान की परंपरा

3.3 नाटक की परंपरा

UNIT-IV - कविताएँ

4.1 वाल्मीकि रामायण: बाल काण्ड

4.2 प्रथम सर्ग: लोक संख्या 8 से लोक संख्या 20 तक

4.3 गीता (अध्याय 2): श्लोक संख्या - 11, 13, 19, 20, 22, 23, 27, 37, 38, 47

UNIT-V

5.1 कथा एवं नाट्य साहित्य का विकास

5.2 कालिदास - विक्रमोर्वशीयम्

5.3 बाणभट्ट कादम्बरी (पुनर्रचना: राधा बल्लभ त्रिपाठी)

पुस्तकें:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामजी उपाध्याय
3. संस्कृत साहित्य विमर्श - आचार्य द्विजेन्द्रनाथ

Course Code	Course Title
MHD-407	उर्दू साहित्य

UNIT-I

1.1 उर्दू भाषा का विकास

1.2 उर्दू कविता का विकास

1.3 उर्दू गद्य का विकास

UNIT-II

2.1 उर्दू के विविध रूप

2.2 देहली कॉलेज और फोर्ट विलियम कॉलेज

2.3 हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

UNIT-III - कविताएँ

- 3.1 मीर तक़ी मीर - उल्टी हो गई सब तदबीरें
हस्ती अपनी हबाब की सी है
- 3.2 मिर्ज़ा ग़ालिब - बाज़ीचा-ए-अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे
हर एक बात पे कहते हो तुम के तू क्या है
- 3.3 नज़ीर अकबराबादी - आदमीनामा

UNIT-IV

- 4.1 फैज़ अहमद फैज़ - मुझसे पहली सी मोहब्बत मेरे महबूब न माँग
- 4.2 फ़िराक़ गोरखपुरी - हर जलवे से (रुबाई)
आँसू से भरे-भरे (रुबाई)
लहरों में खिला कमल (रुबाई)
- 4.3 परवीन शाकिर - कमाल-ए-ज़ब्त को मैं भी तो आजमाऊँगी
श्याम मैं तोरी (नज़्म)

UNIT-V - गद्य साहित्य

- 5.1 मीर अमन - बाग़-ओ-बहार (क्रिस्सा पहले दरवेश का)
- 5.2 सआदत हसन मंटो - नूरजहाँ (रेखाचित्र)
- 5.3 इस्मत चुगताई - घरवाली (कहानी)

पुस्तकें:

1. उर्दू साहित्य का इतिहास - एजाज़ हुसैन
2. उर्दू भाषा और साहित्य - फ़िराक़ गोरखपुरी
3. उर्दू आलोचना - पूरणमासी राय
4. उर्दू का आरंभिक युग - शम्शुर्रहमान फारुकी

